BSES

लागत में कमी लाने के लिए बीआरपीएल को राष्ट्रीय पुरस्कार

कॉरपोरेट अफेयर्स मंत्रालय में सचिव श्री अनुराग गोयल ने दिया पुरस्कार

- सुप्रीम कोर्ट के पूर्व मुख्य न्यायाधीश के नेतृत्व में निर्णायक मंडल ने पुरस्कार के लिए चुना
- सात श्रेणियों में 80 से अधिक कॉरपोरेट संस्थाओं के बीच थी प्रतियोगिता
- बीआरपीएल द्वारा एटीएंडसी घाटे में लाई गई जबरदस्त कमी ने खींचा ध्यान

नई दिल्लीः 13 मार्च, 2009। लागत में कमी लाने के लिए बीएसईएस राजधानी पावर लिमिटेड (बीआरपीएल) को राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। विज्ञान भवन में आयोजित एक कार्यक्रम में केंद्रीय कॉरपोरेट अफेयर्स मंत्रालय में सचिव श्री अनुराग गोयल ने बीआरपीएल को यह पुरस्कार प्रदान किया। इन पुरस्कारों की प्रतिष्ठा का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि सुप्रीम कोर्ट के पूर्व मुख्य न्यायाधीश श्री जेएस वर्मा के नेतृत्व में गठित एक उच्चस्तरीय निर्णायक मंडल ने पुरस्कारों का चयन किया। निर्णायक मंडल के अन्य सदस्यों में सरकार, विनियामक संस्थाओं, उद्योग जगत, चैंबर ऑफ कॉमर्स, यूनिवर्सिटी प्रोफेसर व मैनेजमेंट विशेषज्ञ भी शामिल थे। अवॉर्ड्स की सात अलग-अलग श्रेणियां थीं और, इनके लिए 80 से अधिक कॉरपोरेट संस्थाओं के बीच प्रतियोगिता थी।

बीएसईएस के चेयरमैन श्री ललित जालान के मुताबिक, इंस्टिट्यूट ऑफ कॉस्ट एंड वर्क्स अकाउंटट्स ऑफ इंडिया (आईसीडब्ल्यूएआई) की ओर से बीआरपीएल को इस सम्मान के लिए चुना गया। संसद के कानून द्वारा इस संस्था का गठन किया गया था। इस के काफी सख्त मानक हैं। सभी शेयरधारकों की बेहतरी (हमारे मामले में हमारे 25 लाख उपभोक्ताओं का हित), प्रभावी परिचालन के लिए उपयोग में लाए जा रहे प्रबंध-कार्यों और परिचालन दक्षता पर यह संस्था गौर करती है। और, उसके बाद पुरस्कार के बारे में निर्णय लिया जाता है। श्री जालान ने यह भी कहा कि उपभोक्ताओं का हित, हमें आगे भी बेहतर कार्य करने को प्ररित करता रहेगा।

स्क्रीनिंग कमिटी ने अपनी मूल्यांकन प्रकिया के दौरान बीआरपीएल की इन बातों पर गौर किया- वित्त वर्ष 2005-06 से 2007-08 के दौरान एटीएंडसी घाटे में जबरदस्त कमी, लागत व ओवरहेड्स में कमी, और ब्रेकडाउन व लोडशेडिंग में उल्लेखनीय कमी। साथ ही, कंपनी द्वारा किए गए भारी निवेश, उन्नत वितरण नेटवर्क और सूचना तकनीक के व्यापक उपयोग, आदि को भी चिहिनत किया गया। गौरतलब है कि वित्तीय वर्ष 2005-06 के दौरान बीआरपीएल में एटीएंडसी घाटा 35. 53 प्रतिशत था, जबकि 2007-08 में यह घटकर 27. 17 प्रतिशत रह गया। लागत व ओवरहेड्स में, वित्त वर्ष 2006-07 व 2007-08 के दौरान 2. 71 प्रतिशत की कमी आई। वित्तीय वर्ष 2002-03 से 2007-08 के बीच ब्रेकडाउन व लोड शेडिंग में 77 प्रतिशत की कमी आई, और 2000 करोड़ रूपये का निवेश किया गया।

बीआरपीएल को "प्राइवेट- सर्विस सेक्टर- लार्ज" श्रेणी में *नैशनल अवॉर्ड फॉर एक्सिलेंस इन कॉस्ट मैनेजमेंट- 2008* से पुरस्कृत किया गया। पुरस्कार, बीएसईएस के मुख्य वित्त अधिकारी (सीएफओ) श्री अमल सिन्हा और वरिष्ठ प्रबंधक श्री अमरजीत सिंह ने ग्रहण किया। विज्ञान भवन में आयोजित इस पुरस्कार समारोह में नामचीन ब्यूरोकैट्स, सरकारी अधिकारियों व कॉरपोरेट जगत के नामी लोगों के अलावा, बीएसईएस के अधिकारी भी मौजूद थे।

दिल्ली की प्रमुख बिजली वितरण कंपनी बीएसईएस अपने उपभोक्ताओं को गुणवत्तायुक्त बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करेंः प्रशान्त दुआ
कॉरपोरेट कम्युनिकेशंस- 39999870 / 9312007822

चंद्र पी कामत
कॉरपोरेट कम्युनिकेशंस- 39999642 / 9350130304